मौर्य शासक सम्राट अशोक के अभिलेख

भाग:-1

डॉ विभूति भूषण

सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

अशोक ऐसा पहला भारतीय सम्राट था जिसने अभिलेखों के माध्यम से सीधे जनता को संबोधित किया. इन अभिलेखों की स्थापना धार्मिक स्थानों, व्यापारिक मार्गों एवं खानों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए किया गया था. अफगानिस्तान से लेकर कर्नाटक, उड़ीसा तक मौर्य शासक सम्राट अशोक के अभिलेख प्राप्त होते है. इन अभिलेखों से अशोक की साम्राज्य सीमा, धम्म नीति, घरेलू एवं विदेश नीति तथा महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी प्राप्त होती है.

- मौर्य साम्राज्य के महान शासक: चन्द्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार एवं अशोक

अशोक के अभिलेख की खोज एवं अशोक के अभिलेखों की भाषा

अशोक के स्तम्भ अभिलेख को सर्वप्रथम 1750 ई. में टी फैन्थलर ने खोजा था. 1837 में जेम्स प्रिन्सेप ने अशोक के दिल्ली टोपरा स्तम्भ अभिलेख को पढने में सफलता प्राप्त की थी. अशोक के अभिलेख प्राकृत, आरामाईक, ग्रीक, खरोष्ठी एवं ब्राह्मी लिपियों में उत्कीर्ण है.

विद्वानों के अनुसार अशोक को अभिलेख द्वारा संवाद करने की प्रेरणा हखमनी शासक दारा 1 से मिली थी. अशोक के अभिलेख को पांच भागों में बांटकर अध्ययन किया जाता है:

1. **वृहद शिलालेख (पहाड़ियों पर) संख्या 1-14**
2. **लघु शिलालेख (चट्टानों पर)**
3. **वृहद् स्तम्भ लेख या महा स्तम्भ लेख (बड़े स्तम्भों पर) संख्या 1-7**
4. **लघु स्तम्भ लेख (छोटे स्तम्भों पर)**
5. **पृथक लेख - धौली और जौगढ़ (उड़ी)**